दुनिया में इतनी दुख-तकलीफें क्यों हैं? (भाग 2)

बाइबल हमें क्या सिखाती है? के अध्याय 11 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

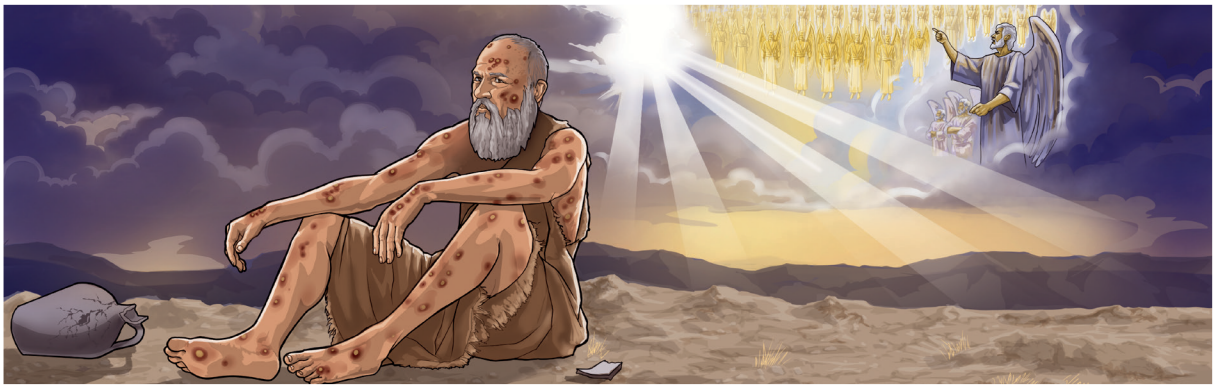

परमेश्वर ने दुख-तकलीफें क्यों रहने दी हैं?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्या कहें?

_____

_____

आप क्या मानते हैं?

_____

_____

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

_____

_____

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

यहोवा ने शैतान को इसलिए इतना वक्त दिया ताकि वह अपनी बात साबित कर सके।
(*सिखाती है* किताब के अध्याय 11 के पैराग्राफ 10-14 देखें।)

उत्पत्ति 3:1-5 पढ़िए।
शैतान ने बड़ी चालाकी से परमेश्वर को एक बुरा राजा कैसे साबित किया?

अय्यूब 38:7 और दानियेल 7:10 पढ़िए।
जब शैतान, यहोवा को चुनौती दे रहा था तो वहाँ और कौन था? इससे कैसे पता चलता है कि शैतान की बातों का असर बहुतों पर होता?

परमेश्वर के सब्र रखने से हम सबको उद्धार पाने का मौका मिला

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

यहोवा के सब्र रखने की वजह से आगे चलकर हमें ही फायदा होगा।

(*सिखाती है* किताब के अध्याय 11 के पैराग्राफ 15-21 देखें।)

2 पतरस 3:9, 10 पढ़िए।

परमेश्वर के सब्र रखने से हमें कैसे उद्धार मिलता है?

नीतिवचन 27:11 पढ़िए।

परमेश्वर के सब्र रखने से हमें यह साबित करने का मौका कैसे मिलता है कि हम उससे प्यार करते हैं?

यहोवा ने शैतान की चुनौती का जवाब देने के लिए जो तरीका अपनाया, उसमें कौन-सी बात आपको सबसे अच्छी लगी?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

हमें दुख-तकलीफों में देखकर परमेश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता, वरना अब तक वह इन्हें खत्म कर देता।

आप कह सकते हैं . . .

बहुत-से लोगों को ऐसा लगता है। लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

इतने लंबे समय तक हमें दुखों में डालकर परमेश्वर ने सही नहीं किया।

आप कह सकते हैं . . .

जब हम पर दुख आते हैं तो ऐसा कहना लाज़िमी है। लेकिन मैं मानता हूँ कि इन बातों की इजाज़त देने के लिए परमेश्वर के पास *ज़रूर* कोई वाजिब कारण होगा क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania